E

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२२

सत्र – २

विषय : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र एवं आलोचना (HC - 201)

दि.: २०/०५/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.३०**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

प्र. २ विरेचन सिद्धान्त की विभिन्न परिभाषाएँ प्रस्तुत कीजिए ।

प्र. ३ उदात्त के स्वरुप को स्पष्ट करते हुए, उस के महत्त्व को रेखांकित कीजिए ।

प्र. ४ क्रोचे के अभिव्यंजनावाद के स्वरुप को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ आलोचना के स्वरुप को स्पष्ट करते हुए, उसके महत्त्व को रेखांकित कीजिए ।

प्र. ६ होरेस के काव्य विवेचन पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ७ इलिएट के निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ८ आदर्शवाद के स्वरुप को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ९ संरंचनावाद का स्वरुप सविस्तार स्पष्ट कीजिए ।

प्र.१० **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) संप्रेषण

२) बिंबों के प्रकार

३) उदात्त के विरोधी तत्व

४) आलोचना और अनुसंधान